(Hindi) NATIONAL SEMINAR ON

"भारत – पाकिस्तान सम्बन्ध: आतंकवाद एक मुद्दा"

(India-Pakistan relations: Terrorism as an Issue)

Organised by Department of Civics and Politics, University of Mumbai during March 18-19, 2019.

हमारे जीवन में सम्बन्ध का बेहद महत्व है | सम्बन्ध सभी के लिए बेहद जरुरी है क्योंकि सम्बन्ध है तभी हम एक – दूसरे को जानते है पहचानते है तथा मित्र और सहभागी बनते है | सम्बन्ध अच्छा है तब मित्रता का व्यवहार होता है लेकिन जब सम्बन्ध ख़राब हो तब कुछ शत्रू भी बन जाते है | जब हम राष्ट्रों के सम्बन्ध की बात करते है तब अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध की बात होती है जिसमे विश्व के सभी देशों के कैसे सम्बन्ध है उसपर चर्चा होती है | विश्व के कुछ देशों को कुछ देशों के साथ संबध अच्छे होते है तथा कुछ के साथ अच्छे नहीं होते |

विश्व के सभी देशों के अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध होना चाहिए इससे देशों का व्यापार तथा आवागमन के द्वारा दोनों देशों के बीच सम्बन्धों में मित्रता का व्यवहार होता रहे | अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में कुछ देशों का कुछ देशों के साथ संबध अच्छे नहीं होते है | कुछ मुद्दों पर मतभेद होने पर या वर्चस्व की लड़ाई में इन देशों का सम्बन्ध अच्छा नहीं होता है या सीमा विवाद भी मुख्य मुद्दा हो सकता है | आज पूरे विश्व में सभी देशों की कुछ न कुछ समस्याएं है जिससे देशों के सम्बन्धों में खटास बनी हुई है | विश्व के लगभग सभी देशों में कुछ न कुछ संकट अवश्य विद्यमान है जिनसे उनके व्यवहारों में परिवर्तन स्वाभाविक है ये संकट दोनों देशों के बीच किसी भी मुद्दों पर हो सकती है जैसे – सीमा विवाद , आतंकवाद , व्यापार , आदि के द्वारा संकट का सामना करना पड़ता है | आज पूरा विश्व आतंकवाद की समस्या से परेशान है जिससे भारत तथा पाकिस्तान की समस्या भी इन्ही में से एक है जिनके बीच सीमा विवाद तथा आतंकवाद जैसी समस्याएं है |

भारत – पाकिस्तान दोनों सामरिक दृष्टिकोण से परमाणु संपन्न राष्ट्र है परन्तु इनके बीच सीमा – विवाद तथा आतंकवाद का मुख्य मुद्दा प्रमुख रहा है | भारत पाकिस्तान का सम्बन्ध शुरू

से ही अच्छा नहीं रहा है क्योकिं इन्होने कई लड़ाईयां लड़ी (1947-48,1965, 1971 and 1999) है जिसमें सभी युध्द में भारत के हाथों पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा है |

आतंकवाद भारत तथा पाकिस्तान के बीच मुख्य मुद्दा उत्पन्न हुआ है जो भारत का कहना है कि पाकिस्तान छद्म युद्ध का सहारा ले रहा है जिसमे सीमापार आतंकवाद और राज्य – प्रायोजित आतंकवाद को बढावा दे रहा है जिससे भारत को काफी नुकसान हो रहा है | आतंकवाद को हम एक राज्य द्वारा दुसरे राज्य के विरूद्ध एक रणनीति के तहत प्रयोग को कह सकते है | परन्तु आतंकवाद क्या है इसको जानते है , आतंकवाद का अर्थ है भय पैदा करना अर्थात जनता में भय पैदा करना तथा जनता और सरकार को जानमाल का नुकसान पहुँचाना ही आतंकवाद है | आतंकवाद का कुछ उद्देश्य होता है जिसको पूरा करने के लिए संगठित संगठन होता है जिस पर किसी राज्य का प्रत्यछ या अप्रत्यछ संरक्षरण प्राप्त होता है |

किसी सामान्य उद्देश्य की प्राप्ति के लिए संगठित समूह जो किसी राज्य द्वारा पोषित हो सकता है तथा दुसरे देश की जनता और सरकार को भय तथा जानमाल का नुकासन पहुँचाना और आतंकित करना आतंकवाद कह सकते है | इसलिए आतंकवाद को परिभाषित करना थोड़ा कठिन है क्योकिं प्रत्येक देश आतंकवाद को अपने – अपने दृष्टिकोण , देशकाल परिस्थित के अनुसार उसकी व्याख्या करता है |

सेमिनार का उद्देश्य

इस सेमिनोर का उद्देश्य भारत – पाकिस्तान के सम्बन्धो में जो तल्खी आई है उसे कैसे दूर किया जा सकता है तथा आतंकवाद से कैसे अधिक सुचारू रूप से निपटा जा सकता है | इस सेमिनार से लोगों के विचारों को आपस में साझा करने से कुछ नया विचार सामने आएगा तथा भारत – पाकिस्तान के सम्बन्धो को अधिक सुचारू रूप से चल सके और इस समस्या का समाधान निकाला जा सके तथा आतंकवाद के मुख्य पहलूओं पर चर्चा होगी जिससे इससे कैसे निपटा जा सकता है।

बहस का मुद्दा :-

भारत पाकिस्तान सम्बन्ध-

1-आतंकवाद

2 -आतंकवादी संगठन

3 -आतंकवाद को प्रोत्साहन

4 -सीमापार आतंकवाद

5 -राज्य – प्रायोजित आतंकवाद

6 -विदेश निति के रूप में आतंकवाद

7 -आतंकवाद के लक्ष्य

8 -आतंकवाद को वित्तिय सहायता

9 -आतंकवाद का प्रभाव

10 -आतंकवाद का मुख्य उद्देश्य

11 -आतंकवाद को ट्रेनिंग

12 आतंकवाद की फंडिंग

13 आतंकवाद का हथ्यार पहुन्चान्ना

14 आतंकवाद का प्रोत्साहन

IMPORTANT DATES FOR THE Hindi NATIONAL SEMINAR

ABSTRACTS SUBMISSION DATES	January 30, 2019
NOTIFICATION OF ACCEPTANCE (EMAIL)	January 30, 2019
REGISTRATION COMPLETE FORMS	FEBRUARY 15, 2019
FINAL PAPER FOR THE CONFERENCE PROCEEDING	FEBRUARY 25, 2019
2019 EXECUTIVE COMMITTEE MEETING FOR PAPERS AND ORGANIZING COMMITTEE	MARCH 10, 2019
2019 NATIONAL SEMINOR	MARCH 18 TO 19 2019

Submissions

Abstract of no more than 300 words including key words should be submitted to n or before January 20, 2019

The following information is required in the following order

- Title of the Paper- Bold –faced and centered in upper/Lower case
- Name (s) of the author(s)-

- Affiliation(s) of the author(s)
- Address(es) of the author(s)
- Abstract of the paper & Full paper